

15.05.18

सिविल विविध प्रकरण क्रमांक 43/17 (लक्ष्मी नारायण बनाम जयप्रकाश आदि) में पारित आदेश दिनांकित 15.05.18 के अनुसार आज यह इजरा प्रकरण क्रमांक 22/03-06 को पूर्व नंबर पर पुनः विधिवत सुनवाई में लिया गया है।

प्रकरण विधिवत पंजी में पूर्व नंबर पर दर्ज किये जाने हेतु प्रकरण को केंद्रीय पंजीयन लिपिक के पास भेजा जावे।

डिक्रीदार पक्ष में लक्ष्मीनारायण, सरनाम सिंह, रामनिवास व श्रीमती उषा सहित श्री आर0एस0 बघेल अधिवक्ता उपस्थित।

मदयून पक्ष की ओर से श्री के0सी0 उपाध्याय अधिवक्ता उपस्थित।

डिक्रीदार पक्ष की ओर से श्री आर0एस0 बघेल अधिवक्ता द्वारा एक आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 22 नियम 3 सीपीसी का शपथ पत्र एवं शोक संदेश की फोटोप्रति सहित पेश किया गया तथा मृतक डिक्रीदार रामवती के शेष विधिक प्रतिनिधीगण की ओर से वकालतनामा पेश किया गया।

उक्त आवेदन पत्र की प्रतिलिपि अनावेदक पक्ष के अधिवक्ता को प्रदान किये जाने पर उन्होंने उक्त आवेदन पत्र का लिखित जवाब नहीं देना व्यक्त करते हुये उक्त संबंध में कोई आपत्ति नहीं होना व्यक्त किया एवं तदविषयक टीप भी उनके द्वारा आवेदन पत्र पर अंकित की गई।

अतः उक्त आवेदन पत्र पर उभयपक्ष को सुना गया।

उभयपक्ष के निवेदन पर विचार करते हुये प्रकरण का अवलोकन किया गया, जिससे पाया जाता है कि डिक्रीदार क्रमांक 2 श्रीमती रामवती की दिनांक 05.12.12 को मृत्यु हो जाने से उसके शेष सभी विधिक प्रतिनिधीगण को अभिलेख पर लिये जाने का निवेदन करते हुये समर्थन में सरनाम का शपथ पत्र पेश किया गया है, जिसके संबंध में विपक्ष द्वारा कोई आपत्ति नहीं होना प्रकट किया गया है तथा मृतक श्रीमती रामवती का पति अर्थात् एक विधिक प्रतिनिधी लक्ष्मीनारायण पूर्व से अभिलेख पर है।

अतः आवेदन पत्र स्वीकार कर आदेश दिया जाता है कि डिक्रीदार पक्ष द्वारा डिक्रीदार क्रमांक 2 श्रीमती रामवती को विधिवत लाल स्याही से फौत लिखा जाकर आवेदन पत्र में वर्णित शेष विधिक प्रतिनिधीगण के नाम इजरा आवेदन पत्र पर जोड़ते हुये प्रमाणित कराया जावे।

डिक्रीदार पक्ष द्वारा उक्त आदेशानुसार नाम जोड़े गये, जिसे मुझ पीठासीन अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया।

इसी समय डिक्रीदार पक्ष द्वारा एक आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 22 नियम 4 सीपीसी का पेश कर मदयून रामकिशन के फौत हो जाने से उसके शेष सभी विधिक प्रतिनिधीगण को इजरा आवेदन पत्र में जोड़े जाने का निवेदन किया गया है तथा यह भी प्रकट किया गया है कि उक्त संबंध में डिक्रीदार पक्ष द्वारा

संबंधित विविध सिविल प्रकरण क्रमांक 43/17 लक्ष्मीनारायण बनाम जयप्रकाश आदि में पूर्व से ही कार्यवाही की जा चुकी है।

प्रतिलिपि विपक्ष को प्रदान किये जाने पर उन्होंने तदविषयक कोई आपत्ति नहीं होना प्रकट करते हुये लिखित जवाब नहीं देना व्यक्त किया तथा विविध सिविल प्रकरण क्रमांक 43/17 के अवलोकन से भी पाया जाता है कि उक्त प्रकरण में अनावेदक क्रमांक 2 रामकिशन के फौत हो जाने से उसके शेष सभी विधिक प्रतिनिधीगण को अभिलेख पर पूर्व से ही लिया जा चुका है।

अतः आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 22 नियम 4 स्वीकार कर आदेश दिया जाता है कि डिक्रीदार पक्ष द्वारा इजरा आवेदन पत्र पर मदयून क्रमांक 2 रामकिशन को विधिवत लाल स्याही से फौत हो जाना लेख करते हुये उसके शेष सभी विधिक प्रतिनिधीगण के नाम जोड़े जावे।

डिक्रीदार पक्ष द्वारा उक्त आदेशानुसार नाम जोड़े गये, जिसे मुझ पीठासीन अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया।

श्री के०सी० उपाध्याय अधिवक्ता द्वारा सभी मदयूनगण की ओर से वकालतनामा पेश किया गया।

सभी मदयून पक्ष की ओर से श्री के०सी० उपाध्याय अधिवक्ता द्वारा संपूर्ण डिक्रीधन की पूर्ण तुष्टि स्वरूप एकमुश्त 1,80,000/- (एक लाख अस्सी हजार) रुपये उपस्थित डिक्रीदार पक्ष को प्रदान किये गये।

उपस्थित सभी डिक्रीदार पक्ष द्वारा संपूर्ण डिक्रीधन की पूर्ण तुष्टि स्वरूप उक्त राशि प्राप्त करते हुये इस इजरा प्रकरण को स्वेच्छया पूर्ण संतुष्टि में निरस्त किये जाने का निवेदन किया गया है एवं तदविषयक टीप भी उनके द्वारा हासिये में अंकित की गई है तथा उपस्थित सभी मदयूनगण लक्ष्मीनारायण, सरनाम सिंह, रामनिवास व श्रीमती उषा की पहचान उनके अधिवक्ता श्री आर०एस० बघेल द्वारा की गई।

अतः यह इजरा प्रकरण पूर्ण संतुष्टि में निरस्त किया जाता है।  
प्रकरण का परिणाम दर्ज कर प्रकरण दाखिल रिकॉर्ड हो।

(सतीश कुमार गुप्ता)  
प्रथम अपर जिला न्यायाधीश  
गोहद जिला भिण्ड